**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1308**

**14 मार्च, 2017 को उत्तर के लिए**

**गोवा में रक्षा विनिर्माण इकाई**

**1308. श्री शान्ताराम नायक :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

**(क) क्या गोवा में कोई रक्षा विनिर्माण इकाई स्थापित किया जाना प्रस्तावित है ;**

**(ख) यदि हां, तो क्या इस उद्देश्य के लिए किसी स्थान की पहचान की गई है ;**

**(ग) यदि हां, तो कितने भू-क्षेत्र का अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है ;**

**(घ) क्या प्रस्तावित परियोजना सार्वजनिक, निजी या सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में कार्यान्वित की जाएगी ; और**

**(ड.) इस परियोजना की लागत, अंशधारिता तथा अन्य बातों का ब्यौरा क्या है ?**

**उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. सुभाष भामरे)**

(**क): एचएएल निर्मित हेलिकॉप्टरों पर संस्थापित किए गए टीएम333 2बी2 और शक्ति इंजनों के लिए अनुरक्षण, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सेवाओं की आयोजना एचएएल और मै.सफरान हेलिकॉप्टर इंजन्स के मध्य एक संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) के जरिए की गई है । जेवीसी का संस्थापन अगस्त, 2016 में किया गया है ।**

**(ख): सुविधा की स्थापना हेतु प्लाट संख्या 2, होंडा इंडस्ट्रियल इस्टेट, सत्तारी जिला, उत्तरी गोवा में एक स्थान चिन्हित किया गया है ।**

**(ग): जेवीसी को अपने प्रचालन हेतु लगभग 3 एकड़ भूमि की आवश्यकता है ।**

**(घ): परियोजना का निष्पादन एचएएल और सफरान एचई, फ्रांस के संयुक्त उद्यम के जरिए किया जाएगा ।**

**(ड.): व्यवसाय योजना के अनुसार, परियोजना में 169.99 करोड़ रुपए के आकलित निवेश की परिकल्पना की गई जिसे पूर्ण विकसित मरम्मत एवं ओवरहाल सुविधा की स्थापना हेतु एक चरणबद्ध ढंग से निवेशित किया जाएगा । एचएएल और मै. सफरान इंजन्स के मध्य जेवीसी में हितधारिता का अनुपात 50:50 है ।**

\*\*\*